647510 **0101203F1010** **Seat No: _____**

B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination

March/April- 2018

HINDI : ADHUNIK HINDI KAVYA PANCHVATI EVAM VYAKARAN

(FOUNDATION)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न–१ '' 'पंचवटी' एक सफल खण्डकाव्य है ।'' चर्चा कीजिए । *(१४)*

अथवा

प्रश्न–१ 'पंचवटी' का सारांश लिखकर उसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

प्रश्न–२ 'पंचवटी' के आधार पर गुप्तजी की नारी भावना स्पष्ट कीजिए । *(१४)*

अथवा

प्रश्न–२ '' 'पंचवटी' में इतिहास और कल्पना का सुन्दर समन्वय हुआ है'' चर्चा कीजिए ।

प्रश्न–३ 'पंचवटी' काव्य के लक्ष्मण का चरित्र–चित्रण कीजए । *(१४)*

अथवा

प्रश्न–३ 'पंचवटी' खण्डकाव्य की विकल्प योजना प्रस्तुत कीजिए ।

प्रश्न–४ 'पंचवटी' खण्डकाव्य में प्रस्तुत आधुनिक युगबोध पर प्रकाश डालिए । *(१४)*

अथवा

प्रश्न–४ 'पंचवटी' काव्य में सीता और शुर्पणखा के चरित्र की तुलना कीजिए ।

प्रश्न–५ (अ) पल्लवन कीजिए : *(०७)*

''मनः प्रसाद चाहिए केवल क्या कुटीर फिर क्या प्रसाद ?''

अथवा

''सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्ताँ हमारा ।''

प्रश्न–५ (ब) संक्षेपण कीजिए । *(०७)*

काव्य–सृजन एक प्रकार की साधना है, जो प्रत्येक सामान्य जन की शक्ति एवं सामर्थ्य से परे है । काव्य के सृजन–हेतु विशेष प्रकार की प्रतिभा की आवश्यकता होती है । कवि अपनी प्रतिभा–शक्ति द्वारा कल्पना को उन्मीलित करके अपने अन्तरमन की गुहा में सुप्तावस्था में पडे धूमिल, अस्पष्ट एवं अरूप भावों और विचारो को स्पष्ट और रूपायित करता है । स्वायता की सामुहिक भावनाएँ आन्तरिक प्रेरणा और शक्ति के कारण उद्वेलित होकर बाह्यभिव्यक्ति में रूपान्तरित होती है । प्रत्येक सृष्टि का प्राथमिक रूप मानसिक स्तर पर अवतरित होता है । संसार के प्रत्येक घटनाचक तथा आकर्षण का कवि के संवेदनशील भावुक मन पर प्रभाव पडता है । जब इसी सत्य और सौंदर्य को वह रेखांकित करता है, तभी कला का जन्म होता है ।

अथवा

प्रकृति हमें स्वावलम्बन का पाठ पढाती है । पक्षी और जानवर अपने बच्चों को तभी तक पालते है, जब तक वे अशक्त रहते है । पक्षी के बच्चे जब उडने लगते है तब वे उन्हें छोड देते है । बच्चों को अपना भोजन अपने आप ढूँढना पडता है । सुधरे हुए देशो में भी यही बात है । बच्चों के ऊपर माँ–बाप की देखभाल तभी तक रहती है, जब तक वे विद्यार्थी जीवन में है । उसके बाद वे स्वतंत्र हो जाते है और अपना भार आप संभाल लेते है ।

****